Free Press Journal, Mumbai, 08/11/2025
Page No: 15, Size: 43.15cm × 20.80cm

8 cities to get 1,100-tonne biogas plants under Swachh Bharat Mission

GREEN PUSH | Project seeks to tackle improper disposal of organic waste

Utsav Gupta
BHOPAL

Eight cities of Madhya Pradesh are set to get their first-ever Compressed BioGas (CBG) plants under Swachh Bharat Mission. The total processing capacity will be 1,100 tonnes per day, aimed at turning organic waste into Bio-CNG and other useful by-products.

According to Urban Administration Department (UAD), the project seeks to tackle improper disposal of organic waste, which leads to pollution, foul odour and groundwater contamination.

Around 15 smaller cities have been linked with these eight cluster cities to channel daily organic waste from households, restaurants and markets for processing. For instance, Harsud and Mundi are grouped under Khandwa district cluster.

Compressed biogas plant. File photo

The decentralised waste management model converts organic waste into biogas, which is purified and compressed into CBG, a clean, sustainable fuel alternative to diesel and petrol.

The process also generates organic manure, promoting eco-friendly agricultural practices.

What is CBG?

CBG is derived from organic waste and emits far fewer pollutants than fossil-based CNG. It also produces digestate that can be used as fertiliser. Officials said that the project will help manage agricultural residues such as stubble, further reducing environmental hazards.

Cost & funding

The project is estimated to cost Rs 236 crore and will be jointly funded by Centre, State and participating cities. The Central Government will bear 50% of the cost under the Gobardhan Bio-CNG initiative, while the remaining amount will be shared between the State Government and respective Urban Local Bodies based on financial capability.

City selection & project progress

Cities were chosen based on waste segregation, plant viability and minimal transportation distance for waste delivery. Four of the eight plants will have a capacity of over 100 tonnes per day, with Gwalior hosting the largest facility, capable of processing 350 tonnes of garbage daily. The Detailed Project Report for the Sagar plant, which will process 115 tonnes, has already been finalised, while the other seven plants are currently in tender and land allocation stages.

Revenue & buy-back model

The Central Government has proposed a Public-Private Partnership model for buy-back of biogas and manure.

Urban Local Bodies will receive annual royalties from operators, with the highest royalty of Rs 40 lakh per year nearly finalised for the Khandwa plant. Rates for other plants are still under negotiation.

Timeline

A UAD official told Free Press that the entire project would take about a year to complete. Once tendering and land processes are finalised, installation will begin, with operations likely to start by late 2026 or early 2027.

Cluster Cities	Daily Capacity
1. Ratlam	Under 100 tons
2. Morena	Under 100 tons
3. Burhanpur	Under 100 tons
4. Khandwa	Under 100 tons
5. Dewas	Under 100 tons
6. Gwalior	350 tons
7. Ujjain	175 tons
8. Sagar	175 tons

Hindustan, Delhi, 08/11/2025
Page No: 1, Size: 5.77cm × 12.96cm

व्यापार वार्ता अच्छी चल रही, अगले वर्ष जाऊंगा भारत : ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे मित्र और अच्छे व्यक्ति हैं। वह चाहते हैं कि मैं भारत आऊं और अगले साल मैं भारत जा सकता हूं। उन्होंने कहा, भारत के साथ व्यापार वार्ता अच्छी चल रही है।

ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं। मैंने उनके साथ इस देश की शानदार यात्रा की थी, मैं फिर वहां जाऊंगा। उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल भारत यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने कहा, हां हो सकता है।

तेल नहीं ले रहा भारत P15

Hindustan, Delhi, 08/11/2025
Page No: 15, Size: 17.99cm × 11.17cm

भारत ने रूस से तेल रोका : ट्रंप

पेज-1 से आगे ›

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि नई दिल्ली के साथ व्यापार वार्ता बेहद अच्छी चल रही है। पीएम मोदी ने रूस से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है।

ट्रंप ने इस दावे को भी दोहराया कि उन्होंने व्यापार के माध्यम से मई में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका था। कहा, अगर मेरे पास शुल्क (टैरिफ) न होता तो मैं वह युद्ध नहीं रोक पाता। उन्होंने टैरिफ को राष्ट्रीय रक्षा का एक बड़ा माध्यम भी बताया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर से किया दावा

कांग्रेस ने निशाना साधा : कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर शुक्रवार को फिर कटाक्ष किया। कहा कि अब 'हाउडी मोदी' को इस बारे में क्या कहना है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का दावा ट्रंप ने 59 बार किया है। हाउडी मोदी 22 सितंबर 2019 को अमेरिका के ह्यूस्टन में आयोजित एक कार्यक्रम था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप ने संबोधित किया था। रमेश ने एक्स पर लिखा कि ट्रंपट्रैकर ने 59 का आंकड़ा छू लिया है। ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने व्यापार और टैरिफ का उपयोग करके ऑपरेशन सिंदूर को 24 घंटे के भीतर रुकवा दिया। भारत ने रूस से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है और वह प्रधानमंत्री मोदी से बात करते हैं तथा मोदी यह चाहते हैं कि ट्रंप भारत का दौरा करें, जो अगले साल हो सकता है।

Veer Arjun, Delhi, 08/11/2025
Page No: 8, Size: 15.24cm × 19.31cm

भारत ईंधन निर्यातक देश बन रहा: गडकरी

भुवनेश्वर, (भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एंव राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ईंधन आयातक देश से ईंधन निर्यातक देश की ओर बढ़ रहा है।

गडकरी ने कहा कि यह बदलाव एथनॉल, मेथनॉल और हरित हाइड्रोजन के बढ़ते उत्पादन और उपयोग से संभव हो रहा है। भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के 84वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिसमें उन्नत इंजीनियरिंग मानकों, बेहतर परिवहन प्रणालियों और जागरूकता पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, भारत ईंधन आयातक से ईंधन निर्यातक देश बन रहा है। यह एथनॉल, मेथनॉल, बायो-एलएनजी, सीएनजी और हरित हाइड्रोजन के बढ़ते उत्पादन और उपयोग से संभव हो रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमारे प्रधानमंत्री का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। हमारा मिशन देश को विश्वगुरु बनाना है। इसके लिए हमें जल, विद्युत, परिवहन और संचार क्षेत्रों में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। गडकरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य नवाचार और टिकाऊ गतिशीलता समाधानों पर आधारित आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है।